News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-146
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

सफलता अनुभव से आती है और अनुभव हमेशा बुरे अनुभव से आता है।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
बिहार, शनिवार 31 अगस्त 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

‘इतनी महंगाई में 400 देकर एहसान नहीं कर रहे नीतीश’

प्रशांत किशोर का एलान: 2025 से बुजुर्गों को हर महीने मिलेंगे दो हजार, स्कूली बच्चों को देंगे ये बड़ी सौगात

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ पटना, साल 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में बिहार की सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर चुके जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने एक और बड़ा एलान कर दिया है। प्रशांत किशोर ने कहा है कि 2025 में बिहार में उनकी सरकार बनने के बाद 60 साल से ऊपर के सभी महिला-पुरुष को चार सौ की जगह कम से कम दो हजार रुपए पेंशन हर महीने दिए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने स्कूली बच्चों के लिए भी बड़ी योजना की घोषणा की है। प्रशांत किशोर ने कहा है कि 15 साल से कम के बच्चों की पूरी पढ़ाई का खर्च, जिसमें उनकी किताबें से लेकर स्कूल ड्रेस, सब कुछ बिहार के बच्चो के लिए मुफ्त कर दी जाएगी। इसके साथ ही यह व्यवस्था केवल सरकारी स्कूलों में ही नहीं बल्कि सभी

प्राइवेट स्कूलों में भी लागू होगी। प्राइवेट स्कूल में भी 15 वर्ष तक के बच्चों की पढ़ाई का खर्च सरकार देगी, ऐसी व्यवस्था हम करेंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह की व्यवस्था पूरे देश के किसी भी राज्य में अभी तक नहीं है। इसी के साथ उन्होंने यह भी बताया कि नीतीश सरकार पढ़ाई के नाम पर हर वर्ष 50 हज़ार करोड़ खर्च कर रही है, पर आप ही बताइए की उन 50 हज़ार करोड़ से क्या 50 बच्चे भी पढ़े हैं? लेकिन हमारा यह संकल्प है की हम इन्हीं 50 हज़ार करोड़ को सही तरीके से खर्च करके आपके बच्चो को अच्छी गुणवत्ता की पढ़ाई कराएंगे ताकि 15 वर्ष के बाद वह सरकार और व्यवस्था पर बोझ नहीं बने। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने बिहार के गांवों में अकेले जीवन व्यापन कर रहे हमारे बुजुर्गो के दर्द को समझते हुए एलान किया कि जन सुराज अगले वर्ष के अंत से यह सुनिश्चित करेगा कि हर महिला-पुरुष, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है, उन्हें कम से कम हर महिने 2000 रुपए की पेंशन मिले। उन्होंने इसके साथ ही नीतीश कुमार पर भी तीखा हमला करते हुए कहा कि इस महंगाई के दौर में मात्र 400 रूपए देकर क्या वह आप पर कोई एहसान कर रहे है? इस महंगाई के दौर में मात्र 400 रूपए में अपना जीवन व्यापन करना नामुमकिन है।

सम्राट चौधरी के वैशाली पहुंचते ही मची अफरा-तफरी

हेलीकॉप्टर देखने के दौरान हादसा

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ वैशाली, बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के महनार पहुंचते ही अफरा-तफरी मच गयी। हेलीकॉप्टर देखने के लिए लोग घर की रेलिंग पर खड़े थे। अचानक रेलिंग के टूटने से एक बच्ची नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गयी। लोगों की मदद से बच्ची को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। वही इस हादसे में कई लोग भी घायल हो गये हैं। बता दें की गणिनाथ मेले का उद्घाटन करने के लिए सम्राट चौधरी वैशाली के महनार स्थित हसनपुर पहुंचे थे। महनार के लावापुर हीरानंद हाई स्कूल में हेलीकॉप्टर के उतरने के लिए हैलीपैड बनाया गया था। सम्राट चौधरी का

हेलीकॉप्टर जब लैंड कर रहा था तब हेलीकॉप्टर को देखने के लिए स्कूल के बगल के मकान के छत पर भारी संख्या में लोग खड़े हो गये। तभी अचानक घर का रेलिंग टूटकर नीचे गिर गया और इस दौरान अफरा-तफरी मच गयी। रेलिंग के साथ नीचे जमीन पर गिरने से एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। वही कई लोग घायल हो गये हैं। आनन-फानन में बच्ची को अस्पताल भर्ती कराया गया। उधर इस घटना के बाद पुलिस कर्मियों ने मकान के छत पर से लोगों को नीचे उतारा और पूरे छत को खाली कराया।

‘किसी माई के लाल में दम नहीं जो हमारे रहते..

दो घंटे की नमाज ब्रेक पर रोक पर बरसे तेजस्वी, पूछा- असम के मुख्यमंत्री हैं कौन?

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ पटना, असम विधानसभा में दो घंटे की नमाज ब्रेक पर रोक लगाए जाने के बाद इसको लेकर सियासत शुरू हो गई है। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस फैसले पर सवाल उठाए हैं और बीजेपी पर जोरदार हमला बोला है। तेजस्वी ने बीजेपी पर आरोप लगाया है कि वह मुसलमानों को टारगेट कर रही है। दरअसल, असम में विधानसभा अध्यक्ष ने बड़ा फैसला लेते हुए विधानसभा में जुमे की नमाज के लिए दो घंटे की ब्रेक पर रोक लगा दिया है। इस फैसले के बाद अब विधानसभा के मुस्लिम कर्मचारियों को जुमे की नमाज के लिए दो घंटे का ब्रेक नहीं मिलेगा। 12 बजे से दो बजे तक का ब्रेक दिया जाता था। इस दो घंटे के भीतर विधानसभा में पदस्थापित सरकारी कर्मचारी जुमे की नमाज अता करते थे लेकिन अब इस पुरानी प्रथा को खत्म कर दिया गया है। जिसको लेकर सियासत गरमाने लगी है। सीएम सरमा और बीजेपी पर हमला बोलते हुए तेजस्वी ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए इस तरह का काम करते हैं। बीजेपी के लोगों ने मुसलमानों को सॉफ्ट टारगेट बना लिया है। कभी वक्फ बोर्ड का बिल आ जाता है तो कही सीएए और एनआरसी लाया जाता है। किसी न किसी प्रकार से बीजेपी के लोग अस्पसंख्यकों को तंग करना चाहते हैं और समाज में नफरत फैलाना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों को पता होना चाहिए कि देश की आजादी में सभी लोगों की कुर्बानी रही है। मुसलमान भाइयों ने भी देश की आजादी में कुर्बानी दी है, इसको दरकिनार नहीं किया जा सकता है। इस देश में संविधान के अनुसार सभी को इसकी इजाजत है और हर धर्म को समानता का अधिकार है। तेजस्वी ने कहा कि यहीं बीजेपी का एक एमएलए या मंत्री बंदर की तरह विधानसभा मे कूद रहा था और बोलता था कि मुसलमानों से वोटिंग का अधिकार छीन लेंगे। हम एक बार खड़ा हुए और ठंडा दिए तो उसके बाद से कोई खड़ा हुआ है क्या? बीजेपी के लोग इसी तरीके का काम करते रहते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार क्यों चुप हैं? हम लोगों के रहते कोई माई का लाल नहीं है जो मुसलमानों का अधिकार छीन सके।

पार्टी में टूट के डर से हवा हो गये चिराग पासवान के तेवर

दिल्ली में अमित शाह के घर पहुंचे, आधे घंटे तक सफाई

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ पटना, बीजेपी को आंखें दिखा रहे चिराग पासवान के तेवर हवा हो गये हैं. दिल्ली में आज वे अमित शाह के घर सफाई देने पहुंच गये. सूत्र बता रहे हैं कि अमित शाह के सामने करीब आधे घंटे तक चिराग पासवान सफाई देते रहे. उन्होंने ये भरोसा दिलाने कि कोशिश की है कि बीजेपी से अलग होने की वे सोच भी नहीं सकते.

टाइम मांग कर अमित शाह से मिले चिराग- बीजेपी के एक नेता ने फर्स्ट बिहार को बताया कि चार दिन पहले से ही चिराग पासवान बीजेपी के आलाकमान से मिलने का टाइम मांग रहे थे. उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों से समय मांगा था. शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें मिलने के लिए बुलाया.

हवा हो गये तेवर- दरअसल पिछले एक महीने से चिराग पासवान लगातार बीजेपी को आंखें दिखा रहे थे. एससी-एसटी

आरक्षण, लेटरल एंट्री और जातीय जनगणना जैसे मुद्दों पर चिराग पासवान ऐसे बयान से दे रहे थे जिससे बीजेपी को परेशानी हो रही थी. चिराग पासवान के जीजा और जमुई से सांसद अरूण भारती ने वक्फ बिल को लेकर बनी संसदीय कमेटी की बैठक में ऐसी बातें कहीं जो बीजेपी के स्टैंड से अलग था. लिहाजा बीजेपी की नाराजगी झलक रही थी. इस बीच खबर ये आयी थी कि बीजेपी ने चिराग पासवान के इलाज का इंतजाम कर दिया है. चिराग पासवान की पार्टी में टूट की खबरें आम थी. उनके तीन सांसदों के बीजेपी के संपर्क में होने की बात कही जा रही थी. वहीं, बीजेपी ने चिराग पासवान के चाचा पशुपति कुमार पारस को भी अचानक से महत्व देना शुरू कर दिया था. पटना में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने पारस के घर पहुंचकर उनसे मुलाकात की थी. वहीं, अमित शाह ने भी पारस को दिल्ली बुलाकर मुलाकात की थी. चिराग पासवान को इसका अंदाजा हो गया था कि बीजेपी ज्यादा नाराज हो गयी है.

अमित शाह के सामने सफाई- बीजेपी सूत्र बता रहे हैं कि चिराग पासवान ने आज अमित शाह से मुलाकात कर सफाई दी कि उनका इरादा गलत नहीं है. चिराग बार बार ये भरोसा दिलाने की कोशिश करते रहे कि वे हर मामले में बीजेपी के साथ हैं. उन्होंने अपनी पार्टी के सांसदों के टूटने को लेकर भी अमित शाह से बात की. वैसे, सूत्र बता रहे हैं कि अमित शाह ने उन्हें कोई ठोस भरोसा नहीं दिलाया. अब देखना ये होगा कि चिराग पासवान की सफाई का क्या असर होता है. क्या बीजेपी उनकी बातों पर भरोसा कर लेगी. ये जानने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा.

जहरीला खाना खाने से बच्चे की मौत, परिवार के सात लोग अस्पताल में भर्ती

मुजफ्फरपुर, बिहार के मुजफ्फरपुर से एक सनसनीखेज खबर निकल कर सामने आ रही है। जहां जहरीला खाना खाने से एक बच्चे मौत हो गई तो परिवार के सात लोग बीमार हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गयी है। यह घटना साहेबगंज थाना इलाके के रूपछपरा गांव की है। विषाक्त भोजन खाने से अरुण राय के पुत्र सूरज कुमार (9) की मौत हो गई। वहीं, इस घटना में परिवार के रामजतन राय, सोहावन कुंवर, विभा देवी, रानी कुमारी, साहिल कुमार, प्रियांशु कुमार, कृति कुमारी बीमार पड़ गई। सभी को सीएचसी लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया। हालांकि, बेहतर इलाज के लिए परिजन सभी को मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में ले गए जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद से ग्रामीण भयभीत हैं। सूरज के रिश्ते के दादा विदेशी राय ने बताया कि पहले घर के लोग बुखार से पीड़ित हुए। हालत बिगड़ने लगी तो उन्हें अस्पताल भेजा गया। परिजनों ने साहेबगंज चौक स्थित एक दवा दुकानदार को बुलवाकर इंजेक्शन दिलवाया। उसके बाद दस्त शुरू हो गया, जिसमें से सूरज की हालत बिगड़ गई। अस्पताल ले जाने के दौरान उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ गणेश कुमार गौतम ने बताया कि फूड प्वाइजनिंग से पीड़ित सभी को बुधवार की देर शाम परिजन सीएचसी लाए थे। बताया जा रहा है कि जब सीएचसी भेजा गया तो सभी बेहोशी की हालत में थे। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया, लेकिन सूरज ने रास्ते में दम तोड़ दिया। गुरुवार को डॉ विजय कुमार पांडेय, डॉ संजय कुमार, स्वास्थ्यकर्मी उमेश महतो एवं एएनएम बेबी कुमारी की चार सदस्यीय टीम रूपछपरा गई थी। दवा के साथ घरों के आसपास ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया गया है। वहीं, लोगों से साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की। इस मामले में थानाध्यक्ष देवव्रत कुमार ने बताया कि गुरुवार को नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा गया है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आर्मी लिखे स्कॉर्पियो से शराब की बड़ी खेप बरामद, 3 तस्कर फरार

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ बिहार में 8 साल से पूर्ण शराबबंदी है। इस कानून के तहत बिहार में ना तो कोई शराब बेच सकता है और ना ही इसका सेवन कर सकता है। लेकिन इस कानून के लागू होने के बाद भी कुछ लोग अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं। ना तो शराब पीने वाले सुधरने का नाम ले रहे हैं और ना ही शराब की तस्करी करने वाले धंधेबाज ही अपनी करतूतों से बाज आ रहे हैं। शराब की तस्करी के लिए ये लोग रोज नया-नया हथकंडा अपना रहे हैं। कभी एम्बुलेंस तो कभी शव वाहन तो कभी पुलिस की गाड़ी में छिपाकर शराब की तस्करी करते पकड़े गये और अब इन लोगों ने आर्मी की गाड़ी को भी नहीं छोड़ा है। पूर्णिया में आर्मी लिखे स्कॉर्पियों से तस्कर शराब की बड़ी खेप ले जा रहे थे तभी वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने आर्मी लिखे गाड़ी को पकड़ लिया। स्कॉर्पियों में बड़ी मात्रा में शराब लदा हुआ था जबकि पुलिस को देखते ही अंधेरे का फायदा उठा स्कॉर्पियों का ड्राइवर और दो तस्कर मौके से फरार हो गये।

गाड़ी से 180 लीटर विदेशी शराब पूर्णिया पुलिस ने बरामद किया है। कसबा थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी ने बताया कि गुरुवार की देर शाम सूचना मिली की शराब माफिया एक सफेद रंग की आर्मी लिखी स्कार्पियो से बड़ी संख्या में विदेशी शराब की खेप लेकर आ रहे हैं। सूचना के बाद कसबा पुलिस के द्वारा एनएच 57 के मदरसा चौक के पास घेराबंदी तेज कर दी। इसी दौरान अररिया की ओर से शराब लेकर आ रही स्कार्पियो पर सवार शराब माफिया पुलिस की घेराबंदी को देखकर घबरा गए और वापस अररिया की ओर भागने लगे।

कसबा पुलिस के द्वारा भाग रहे स्कॉर्पियो का पीछा करते हुए वीरे ढाबा के पास उसे जब्त कर लिया। हालांकि अंधेरे का फायदा उठाकर स्कॉर्पियो पर सवार दो शराब माफिया सहित स्कार्पियो चालक भागने में कामयाब रहा। पुलिस ने जब स्कॉर्पियो की तलाशी ली तो उससे 17 कार्टून विदेशी शराब जिसकी कुल मात्रा 180 लीटर है उसे जब्त कर लिया गया। कसबा थानाध्यक्ष अजय कुमार अजनबी ने बताया कि अज्ञात दो शराब माफिया सहित वाहन चालक के खिलाफ कसबा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। फिलहाल पुलिस स्कॉर्पियो के मालिक का पता लगाने में जुटी है।

गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में लगा था हिडन कैमरा

लड़कियों के गंदे फोटो और वीडियो लीक होने के बाद बवाल

इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल के टॉयलेट हिडन कैमरा लगाकर लड़कियों की गंदी तस्वीरें और वीडियो बनाकर उसे बेचने का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। तीन सौ से अधिक फोटो और वीडियो लीक होने के बाद कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं ने भारी बवाल कर दिया। दरअसल, यह पूरा मामला आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज की है। कॉलेज के हॉस्टल के टॉयलेट में किसी शख्स ने हिडेन कैमरा लगा दिया था। इस बात की जानकारी किसी को नहीं थी। खुफिया कैमरे के जरीए लड़कियों की गंदी तस्वीरें और वीडियो रिकॉर्ड किए जा रहे थे। इस बात की जानकारी तब हुई जब सोशल मीडिया पर तीन सौ से अधिक फोटो और वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राओं और कॉलेज प्रबंधन के बीच हड़कंप मच गया। छात्राओं ने इसके खिलाफ हंगामा शुरू कर दिया और कार्रवाई की मांग करने लगीं। मामला थाने पहुंचा तो मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की। इस मामले में पुलिस ने लड़कों के हॉस्टल में रहने वाले एक सीनियर छात्र को गिरफ्तार किया है। बीटेक के छात्र विजय कुमार के लैपटॉप को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है और छानबीन शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि कुछ छात्राओं ने विजय से ये गंदे वीडियोज खरीदे थे।

बीजेपी नेता की कार ने ऑटो में मारी जोरदार टक्कर

मौके पर ही टेम्पू चालक की मौत, महिलाओं और बच्चों की हालत गंभीर

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ पूर्वी चंपारण, पूर्वी चंपारण के एनएच-104 पर बीजेपी के ढाका से संगठन जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी की अर्टिगा कार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में टेंपो सवार सिकंदर पासवान की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है। वही टेंपो पर सवार करीब आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। गंभीर हालत में सभी को मधुबन पीएससी में भर्ती कराया गया जहां सभी की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद मोतिहारी रेफर किया गया। बता दें कि नया गांव के रहने वाले सिकंदर पासवान लोन पर टेंपो लेकर शिवहर से मधुबन सवारी गाड़ी चलाते थे। वही लाही बंजरिया के पास पीछे से आ रही अर्टिगा कार जिस पर बीजेपी का झंडा लगा हुआ था। कार पर ढाका संगठन जिलाध्यक्ष का बोर्ड भी लगा हुआ था। अनियंत्रित कार ने टेम्पू में जोरदार टक्कर मार दी जिससे ऑटो पलट गयी और टेंपो चालक सिकंदर पासवान की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं टेम्पू में सवार महिलाएं और बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद मधुबन थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गयी।

बेतिया में अपराधी बेलगाम, घर में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग, दहशत में पूरा परिवार

बेतिया, इस वक्त की बड़ी खबर बेतिया से आ रही हैं जहां कालीबाग थाना क्षेत्र के छावनी वार्ड नंबर 5 में अज्ञात अपराधियों ने एक घर पर अंधाधुंध फायरिंग की। फायरिंग की घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से पांच पिस्टल का खोखा बरामद किया है। वहीं कई थानों की पुलिस मौके पर कैंप कर रही है। बताया जा रहा है कि छावनी वार्ड नंबर 5 निवासी तुला मियां के घर पर अज्ञात अपराधी पहुंचे और फायरिंग शुरू कर दी। बताया जाता है कि अंजूम आरा के चारों पुत्र बाहर रहकर काम करते हैं और फिलहाल घर में चार बेटियां मां के साथ रहती हैं। अपराधियों के डर से परिवार का कोई सदस्य कुछ बोलने को तैयार नहीं है। बताया जाता है कि अचानक बाइक सवार अज्ञात अपराधी आए और फायरिंग शुरू कर दी। अपराधियों ने खिड़की पर गोलियां दागी हैं। खिड़की के छड़ से गोली टकराकर बाहर सड़क पर चली आई लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मौके पर डीएसपी के नेतृत्व में मामले की जांच की जा रही है। मौके पर पुलिस कैम्प कर रही है। मुख्यालय डीएसपी कमलेश कुमार ने बताया कि तुला मियां के घर पर अज्ञात अपराधियों ने फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

कहीं एक्शन में नजर आए DM तो कहीं MLA ने लगाया सरकारी निर्देश की धज्जियां उड़ाने का आरोप

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ गया, आपने अक्सर यह सुना या पढ़ा होगा कि किसी भी जिले का सबसे बड़े ऑफिसर वहां के डीएम होते हैं। आसान भाषा में कहें तो उन्हें एक जिले का मालिक कहा जाता है। लेकिन क्या कभी आपने सुना है कि किसी काम को लेकर डीएम ने निर्देश दिया और उसके बाद भी उनसे जूनियर अधिकारी उनकी बातों को नजरअंदाज करें? अब बिहार के दो जिलों में ऐसा देखने को मिला है कि डीएम साहब ने किसी काम को लेकर अपने जूनियर अधिकारियों को निर्देश दिया बावजूद उसके डीएम साहब के आदेश का कोई असर नहीं दिखा। ऐसी घटना कोई एक जिले में नहीं बल्कि दो जिले में हुई है। इसमें पहली घटना गया की है तो दूसरी घटना अरवल की है। जानकारी के मुताबिक, गया में इन दिनों पितृपक्ष मेले की तैयारी की जा रही है। इसको लेकर हर तरह की व्यवस्था पर वहां के डीएम खुद नजर बनाए हुए हैं। लेकिन, कल एक ऐसा वाकया देखने को मिला कि डीएम साहब अपने निर्देश का पालन नहीं होता देख गुस्सा हो गए। वहां देर रात डीएम साहब मेला स्थल का निरिक्षण करने निकल गए, तभी उनको रास्ते में काफी अंधेरा मिला और फिर वो गुस्सा हो गए और जमकर फटकार लगाई। गया के डीएम डॉक्टर त्यागराजन ने रात 12:00 बजे तक घूम कर मेला और आसपास क्षेत्र का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने खासकर रात में रोशनी की व्यवस्था देखी। इसके साथ ही इस बात की सही जानकारी ली की उनके पास जो रिपोर्ट आ रही है तैयारी को लेकर वह जमीनी स्तर पर है भी या नहीं। इस दौरान उन्हें जहां भी कमी नजर आई उसको सही करवाया और लापरवाही करने वाले लोगों को फटकार भी लगाया। उधर, अरवल में डीएम पर ही सरकारी निर्देश की अनदेखी करने का आरोप लगाया जा रहा है। यह आरोप कोई आम नहीं बल्कि एक विधायक लगा रहे हैं। अरवल के विधायक महानंद सिंह ने डीएम द्वारा सदर अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन के उद्घाटन पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि डीएम सरकार के निर्देश की अवहेलना कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि प्रभारी मंत्री की भी इस मामले में उपेक्षा की गई। भाजपा के कोई दबंग मंत्री होते तो डीएम शायद ऐसा कदम नहीं उठा पातीं। विधायक ने कहा कि सरकार के सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा ने एक पत्र जारी किया है कि किसी भी क्षेत्र में कोई भी प्रशासनिक अधिकारी या उनकी पत्नी विकास योजनाओं का उद्घाटन नहीं करेंगे एवं किसी शिलापट पर अपना नाम अंकित नहीं करेंगे। यदि आवश्यकता हुई तो उसे क्षेत्र के मंत्री या सांसद या क्षेत्रीय विधायक या क्षेत्रीय पार्षद शिलापट रखेंगे या उद्घाटन करेंगे। यदि कोई बड़ी योजना हुई तो अनुरोध प्राप्त होने पर मुख्यमंत्री शिलापट रखेंगे या उद्घाटन करेंगे। लेकिन, अरवल में विकास योजनाओं का शिलापट यहां के डीएम द्वारा लगाया जा रहा है और उद्घाटन किया जा रहा है, जो कहीं से उचित नहीं है।